मध्य प्रदेश के माण्डला जिले में कोयले का भण्डार

4678. **श्री श्याम लाल धुर्वे :** क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश के माण्डला जिले में कोयले के भण्डार मिलने की सम्भावनायें हैं; और

(ख) यदि हां, तो इस बारे में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

ऊर्जा मंत्री (श्री पी० रामचन्द्रन) : (क) और (ख). वर्तमान सूचना के अनुसार मध्य प्रदेश के माण्डला जिले में कोयला मिलने की कोई संभावना नहीं है ?

रुई का समर्थन मूल्य

4679. **श्री धर्म सिंह भाई पटेल :** क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत सरकार ने चालू वर्ष के लिए रुई का समर्थन मूल्य 250 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है;

(ख) क्या यह भी सच है कि यह समर्थन मूल्य बहुत कम है और इसलिए पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की सरकारों ने केन्द्रीय सरकार से न्यूनतम मूल्य 425 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करने की मांग की है ताकि देश में रुई का उत्पादन बढ़े और आयातित रुई पर निर्भरता न रहे;

(ग) यदि हां, तो केन्द्रीय सरकार ने इन मांगों पर क्या कार्यवाही की है अथवा करने का विचार है और यदि हां, तो कब और कैसे; और

(घ) गुजरात में उत्पादित दिग्विजय सी०ओ०-2, बी-797, हाइब्रिड-4 रुई की प्रति क्विंटल उत्पादन लागत क्या है और भारत सरकार ने चालू मौसम के लिए कितना समर्थन मूल्य निर्धारित किया है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी आभा मयती) : (क) सरकार ने चालू रुई वर्ष के लिए कपास की अच्छी औसत किस्म 320-एफ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 225 रु० प्रति क्विंटल निश्चित किया है।

(ख) और (ग). जी, नहीं। कपास वर्ष 1977-78 के लिए घोषित कपास का न्यूनतम समर्थन मूल्य सरकार कम नहीं समझती। वस्तुत यह इससे पहले वर्ष निश्चित किये गये न्यूनतम समर्थन मूल्य से 16 प्रतिशत अधिक है। न्यूनतम समर्थन मूल्य कृषि मूल्य आयोग की सिफारिशों के आधार पर निश्चित किये जाते है। समर्थन मूल्य की सिफारिश करते समय आयोग उत्पादन की सामान्य लागत, बाजार में मूल्यों की प्रवृत्तियों, प्रतिस्पर्धा, फसलों के मूल्य, सामान्य सम्भरण स्थिति और अन्तर्राष्ट्रीय उलझनों को भी ध्यान में रखता है तथा उत्पादकों के लिये अच्छे लाभ की व्यवस्था करता है। कपास के थोक मूल्य 1977-78 के लिए निश्चित किये गये न्यूनतम समर्थन मूल्य से कहीं अधिक चल रहे है। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान राज्यों से इस आशय के अभ्यावेदन प्राप्त हुए थे कि इस बात को ध्यान में रखते हुए कि कपास के चालू मौसम के बाजार मूल्य 1976-77 के कपास के मौसम से कम होने के कारण अधिक लाभप्रद मूल्य निर्धारित किये जाने चाहिए। चूंकि 1976-77 में कपास की अत्यधिक कमी थी, अत मूल्य अधिक ऊंचे थे। वह एक असामान्य वर्ष था। अत: 1977-78 में कपास के मूल्य निश्चित करने के लिए वर्ष 1976-77 के मूल्यों को तुलनात्मक आधार नहीं बनाया जा सकता।